SHRI R. VELU: Now, it is in nascent stage. I have told that we are now having a dialogue with various corporates. We will have, at least, one or two months' time to evolve a policy as such.

श्री दत्ता मेघे: सर, यह प्रश्न कृषि मंत्रालय से संबंधित है, इसलिए मैं मंत्री महोदय से कहना चाहता हूं कि वे कृषि मंत्रालय से इस संबंध में चर्चा करके अच्छी स्कीम लाएं, ताकि किसानों को और लोगों को उससे फायदा हो। कृषि मंत्रालय से बात किए बगैर अच्छी स्कीम कैसे आएगी? यह पब्लिसिटी स्टंट न हो, यह एक अच्छी स्कीम है और अगर कृषि मंत्रालय और रेल मंत्रालय मिलकर कुछ करेंगे, तो कुछ फायदा होगा।

श्री सभापति: आप कृषि मंत्री जी से बात कर लीजिए, यहीं बैठे हैं। श्री प्यारे लाल खंडेलवाल, पूछिए।

श्री प्यारे लाल खंडेलवाल: सभापति जी, मेरा प्रश्न आ गया है।

श्री सभापति: आ गया है, तो ठीक है। डा॰ मलयसामी, पूछिए।

DR. K. MALAISAMY: Thank you Sir. Though it is very much belated, it is a very good move. I would like to ask the hon. Minister whether before finalisation of all his concept or initiative or policy etc., as seen now, it has bee only conceived, before delivery, he can concult the farmers' forum as to what they really need and whether their requirements can be met.

SHRI R. VELU: Though the suggestion by the hon. Member is well taken, I am thankful to the hon. Member, not only this farmers' forum, but we are also going to consult industries, commerce and other kinds of forums available to us.

दिल्ली में प्रदूषण

*43. डा॰ मुरली मनोहर जोशी:†
श्री राज मोहिन्दर सिंह मजीठा:

क्या पर्यावरण और वन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि दिल्ली में अनेक स्थानों पर प्रदूषण होने के कारण यहां का वातावरण मानव जीवन के प्रतिकूल बन चुका है;

(ख) यदि हां, तो आई॰टी॰ओ॰ व चांदनी चौक इलाकों के अतिरिक्त वे अन्य इलाके कौन-कौन से हैं जहां का वातावरण प्रदूषित हो जाने के कारण मानव-जीवन के प्रतिकूल हो चुका है; और

†सभा में यह प्रश्न डा॰ मुरली मनोहर जोशी द्वारा पूछा गया।

(ग) क्या सरकार ने इस वातावरण को प्रदूषित करने के कारणों का पता लगाया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

पर्यावरण और वन मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री नमो नारायण मीणा): (क) से (ग) एक विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

विवरण

(क) से (ग) केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सी पी सी बी) दिल्ली में आठ स्थानों पर परिवेशी वायु गुणवत्ता की मानीटरिंग कर रहा है जिनमें आवासीय क्षेत्रों के साथ-साथ औद्योगिक क्षेत्र भी शामिल हैं। इस समय तीन स्थानों, नामत: सिरी फोर्ट, आई टी ओ तथा दिल्ली कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग में परिवेशी वायु गुणवत्ता की सतत रूप से मॉनीटरिंग की जाती हैं। इसके अलावा, नेशनल एनवायरमेंटल इंजीनियरिंग रिसर्च इस्टीटयूट (एन ई ई आर आई) तीन स्थानों, नामत: टाउन हाल (चांदनी चौक), मायापुरी औद्योगिक क्षेत्र तथा सरोजनी नगर में परिवेशी वायु गुणवत्ता की मानीटरिंग कर रहा है।

परिवेशी वायु गुणवत्ता की मॉनीटरिंग से प्राप्त परिणाम सभी मॉनीटरिंग केन्द्रों पर सल्फर डाइआक्साइड (एस ओ2) की मात्रा राष्ट्रीय परिवेशी वायु गुणवत्ता मानकों के भीतर होने का संकेत करते हैं। नाइट्रोजन डाइ-आक्साइड (एन ओ2) की मात्रा के स्तर भी आई टी ओ और टाउनहाल (चांदनी चौक) को छोड़कर शेष सभी मॉनीटरिंग केन्द्रों पर परिवेशी वायु गुणवत्ता मानकों के भीतर देखे गए हैं। आई टी ओ तथा चांदनी चौक में एन ओ² की अधिक मात्रा के कारण मॉनीटरिंग स्थलों पर ज्यादा ट्रैफिक होना हो सकता है। दूसरी ओर श्वसनीय विविक्त कण पदार्थ (आर एस पी एम) के स्तर सामान्यतया सभी स्थानों पर राष्ट्रीय परिवेशी वायु गुणवत्ता मानकों से अधिक देखे गए हैं।

दिल्ली में वायु प्रदूषण के प्रमुख स्रोत हैं वाहन निर्गम उत्सर्जन, विद्युत संयंत्रों सहित औद्योगिक गतिविधियां, धूल का पुन: निलम्बन, डीजल जनरेटर (डी जी) सेटों का प्रचालन और घरेलू उपयोग के लिए ईधन का जलाना। दिल्ली के लिए विभिन्न स्रोतों से आर एस पी एम में योगदान निर्धारित करने के लिए एक स्रोत विभाजन अध्ययन शुरू किया गया है।

वायु प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए विभिन्न कदम उठाए गए हैं जिनमें अन्य बातों के साथ-साथ शामिल हैं नए वाहनों के लिए विनिर्माण स्तर पर कड़े आटो इग्जोस्ट मानकों को लागू करना, संशोधित गुणवत्ता के ईधन का उपयोग, कड़े डीजल जनरेटर सैट उत्सर्जन मानदंड, गैस आधारित पावर संयंत्रों को प्रोत्साहित करना और प्रदूषण उपशमन के लिए स्वच्छतर प्रौद्योगिकियों का उपयोग। ऊपर किए गए उपायों से विशेषकर सल्फर डायआक्साइड के स्तरों में कमी और

आर एस पी एम के स्तरों में बढ़ते रुख को रोकने के संबंध में वायु उत्सर्जन गुणवत्ता में सकारात्मक प्रभाव दिखाई दिए हैं। इस समय ऐसी कोई निर्णायक रिपोर्ट नहीं है जो यह दर्शाती हो कि दिल्ली में बड़े पैमाने पर लोग वायु प्रदूषण के कारण विभिन्न बीमारियों से पीड़ित हो रहे हैं।

Pollution in Delhi

†*43. DR. MURLI MANOHAR JOSHI:††

SHRI RAJ MOHINDER SINGH MAJITHA:

Will the Minister of ENVIRONMENT AND FORESTS be pleased to state:

(a) whether it is a fact that due to pollution at many places of Delhi, the atmosphere has become adverse for human life;

(b) if so, in addition to ITO and Chandni Chowk, the names of the places where due to pollution the atmosphere has become adverse for human life; and

(c) whether Government have traced the reasons for pollution of the atmosphere and if so, the details thereof?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF ENVIRONMENT AND FOREST (SHRI NAMO NARAIN MEENA): (a) to (c) A Statement is laid on the Table of the House.

Statement

(a) to (c) The Central Pollution Control Board (CPCB) is monitoring ambient air quality at eight locations in Delhi, which include residential as well as industrial areas. Presently, continuous monitoring of ambient air quality is carried out at three locations, namely, Siri Fort, ITO and Delhi College of Engineering. In addition, National Environmental Engineering Research Institute (NEERI) is carrying out ambient air quality monitoring at three locations, namely, Town Hall (Chandni Chowk), Mayapuri Industrial Area and Sarojini Nagar.

The monitoring results of the ambient air quality indicate sulphur dioxide (SO_2) within the National Ambient Air Quality Standards at all the monitoring stations. The levels of nitrogen dioxide (NO_2) are also observed to be within the ambient air quality standards at all the monitoring stations excepting

†Original notice of the question was received in Hindi.

†††The question was actually asked on the floor of the House by Dr. Murli Mahohar Joshi.

at ITO and Town Hall (Chandni Chowk). The higher concentration of NO_2 at ITO and Chandni Chowk could be attributed to high traffic density at the monitoring points. On the other hand, the levels of the Respirable Suspended Particulate Matter (RSPM) are observed to be generally exceeding the National Ambient Air Quality Standards at all the locations.

The main sources of air pollution in Delhi are vehicular exhaust emissions, industrial activities including power plants, re-suspension of dust, operations of diesel generator (DG) sets, and burning of fuel for domestic purposes. A Source Apportionment Study has been initiated for Delhi to ascertain contribution to RSPM from various sources.

To control air pollution, various steps have been initiated which, *inter alia*, include enforcement of stricter auto exhaust standards for new vehicles at the manufacturing stage, use of improved fuel quality, stringent diesel generator set emission norms, promoting gas based power plants and cleaner technologies to abate pollution. With the above steps taken, there are visible positive effects in the ambient air quality, particularly, in terms of reductions in the levels of sulphur dioxide and arresting the increasing trend in the levels of RSPM. Presently, there are no conclusive reports indicating that a large number of people are suffering from various diseases due to air pollution in Delhi.

डा॰ मुरली मनोहर जोशी: श्रीमन्, इस उत्तर में यह बताया गया है कि ऐसी कोई निर्णायक रिपोर्ट नहीं है, जिससे यह पता लगे कि दिल्ली के नागरिकों में इस प्रदूषण के कारण कुछ बीमारियां फैली हैं, लेकिन Centre for Science & Environment की जो रिपोर्ट है, वह यह कहती है कि फेफड़ों की बीमारियों में वायु प्रदूषण के कारण 21.3 प्रतिशत की वृद्धि हुई है और अस्थमा में, दमे की बीमारी में 20 प्रतिशत की वृद्धि हुई है और दिल की बीमारी में 25 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

... (व्यवधान)...

श्री सभापति: ज्यादा हुई है।

डा॰ मुरली मनोहर जोशी: और राजधानी के 60 परसेंट पुरुषों में कोई न कोई सांस की बीमारी है। आप कह रहे हैं कि कोई निर्णायक रिपोर्ट नहीं है, conclusive रिपोर्ट नहीं है, तो क्या आप इसका पूरा विवरण लेंगे और जांच कराएंगे और एक conclusive रिपोर्ट सदन के सामने रखेंगे कि भारत की इस राजधानी में अगर इस प्रकार से प्रदूषण होगा और इस प्रकार से लोगों का स्वास्थ्य खराब होगा, तो इसके बड़े गंभीर परिणाम होंगे? इसके परिणाम इनवेस्टमेंट पर भी होंगे, तो यह एक बहुत महत्वपूर्ण सवाल है और इसको आप कब तक कराएंगे और स्वास्थ्य के इस गंभीर संकट से बचाने के लिए सरकार क्या उपाय लेगी?

श्री नमो नारायण मीणा: सर, दिल्ली के प्रदूषण को नियंत्रण में रखने के लिए, भारत सरकार बिल्कुल सतर्क है और Central Pollution Control Board ने Sources of RSPM की स्टडी के लिए Source Apportionment Study का आदेश दिया हुआ है कि किन-किन सोर्सेज से इस तरह के कण आते हैं, जो हानिकारक होते हैं। इसकी रिपोर्ट 2007 तक एक्सपेक्टेड है, उसके बाद इसके ऊपर एक्शन लिया जा सकेगा। इसके अलावा हैल्थ स्टडीज के लिए भी Central Pollution Control Board ने चितरंजन नेशनल कैंसर इस्टिट्यूट को स्टडी करने के लिए कहा है ओर इसके साथ ही AIIMS को भी स्टडी करने के लिए कहा है और तीसरी स्टडी-- Effects of asbestos on health-- ITRC लखनऊ के लिए है। ये सारी स्टडी इस तरह की हैं और ये रिपोर्ट awaited है। जैसे ही ये रिपोर्ट्स आएंगी, उनके आधार पर भारत सरकार एक्शन लेगी।

डा॰ मुरली मनोहर जोशी: सभापति महोदय, यह जो सवाल है, यह उससे बहुत दूर का जवाब है। मेरा प्रश्न है कि दिल्ली में क्या परिस्थिति है, हम विशेष रूप से इसके बारे में जानना चाहते हैं। देशभर में क्या हो रहा है, यह तो बहुत व्यापक सवाल है, इसके ऊपर आप इस तरह से कहेंगे कि हमने कमेटी बनाई है, यह किया है और वह किया है, तो यह बड़ा व्यापक सवाल है। आपका सारा डेवलपमेंट इस तरह से हो रहा है, पहले आप pollution पैदा कर रहे हैं ओर फिर उसको सॉल्व करने के लिए कमेटियां बैठा रहे हैं, लेकिन मैं जो जानना चाहता था, आपने वह बताया नहीं। मैं आपसे दूसरी यह बात जानाा चाहता हूं कि हिन्दुस्तान के कुछ शहर, इस समय बड़े शहर तो नहीं, लेकिन कुछ शहर विश्व के मानचित्र पर सबसे polluted शहर माने जाते हैं, जैसे फरीदाबाद, लखनऊ, रायपुर, कानपुर है और दक्षिण में भी हैं।

श्री सभापति: जोशी जी, आप दिल्ली से बाहर न जाएं तो ठीक है, क्योंकि आपको उत्तर सही मिल जाएगा।

डा॰ मुरली मनोहर जोशी: मैं दिल्ली से बाहर नहीं जा रहा हूं। आप मंत्री जी को दिल्ली में समाहित रखिए तो मैं भी दिल्ली में ही रहूंगा। आप उनको तो रोकिए।

श्री सभापति: आप दिल्ली में ही रहिए।

डा॰ मुरली मनोहर जोशी: मैं तो रहूंगा, लेकिन वे भी तो दिल्ली में ही रहें।

श्री सभापति: मैं उनको भी कहूंगा कि वे दिल्ली से बाहर न जाएं।

डा॰ मुरली मनोहर जोशी: महोदय, मेरा निवेदन यह है कि जो यह pollution हैं और जिस तरह से यह बढ़ रहा है, दिल्ली में ही यह pollution खासतौर से डीज़ल चालित कारों की वजह से बढ़ा है, पैट्रोल कार की वृद्धि तो 8.5 per cent per year हुई है, लेकिन डीज़ल कारों की वृद्धि 16.8 परसेंट पर ईयर हुई है। आप इस बारे में क्या करना चाहते हैं, क्या यह वृद्धि इसी तरह से बनी रहेगी या इस पर कोई रोकथाम लगाएंगे?

श्री नमो नारायण मीणा: सर,माननीय सदस्य ने बताया है कि यह दूसरे शहरों में भी है तो इस बारे में सिर्फ इतना कहना चाहता हूं कि जो 16 most polluted cities हैं, भारत सरकार द्वारा उनकी air quality monitor की जा रही है और उनके लिए भी एक्शन प्लान बन रहा है। जहां तक दिल्ली का सवाल है, दिल्ली में 11 स्टेशनों पर ambient air quality की monitoring की जा रही है। Sulphur dioxide (SO_2), पूरी दिल्ली के जितने भी स्टेशन्स हैं, उनमें जो हमारे स्टेंडर्ड हैं, ...(व्यवधान)...

डा॰ मुरली मनोहर जोशी: आपने वह तो अपने जवाब में बता दिया है। मुझे तो आप पैट्रोल और डीज़ल के बारे में बताइए।

श्री नमो नारायण मीणा: सर, इसके लिए जो हमारा Action Plan है, Steps to take to improve air quality in Delhi, इसके लिए हमने बहुत से स्टैप्स लिए हैं, इनमें इंडस्ट्रीज से जो pollution होता है, उसके control के लिए स्टैप्स लिए जा रहा हैं।

श्री सभापति: ये डीज़ल के बारे में पूछ रहे हैं, इसलिए आप डीज़ल के बारे में बता दीजिए।

श्री नमो नारायण मीणा: सर, मैं डीज़ल के बारे में ही बता रहा हूं कि डीज़ल is also threre; Road map for fuel quality improvement., इसके लिए स्टैप्स लिए गए हैं और हमने स्टैंडर्ड सैट किए हैं, मैनयुफैक्चरिंग के किए हैं और उसके बाद जो हमारी fuel policy है, उसमें सारे स्टैडर्ड किए हैं, and it is coming down.

श्रीमती विप्लव ठाकुर: माननीय सभापति महोदय, मंत्री जी ने अपने जवाब में कहा है, "The higher concentration of nitrogen dioxide at ITO and Chandni Chowk could be attributed to high traffic density at the monitoring points." यह show ही नहीं है कि वहां पर किसी वजह से पॉल्युशन हो रहा है। क्या इनके विभाग ने इनको ठीक तरह से नहीं बताया है कि उस ट्रैफिक की वजह से अगर उन इलाकों में पॉल्यूशन हो रहा है और क्या वजह है कि वहां पर पॉल्यूशन हो रहा है? आपने बिल्कुल ठीक कहा है कि दमा बच्चों में भी बढ़ रहा है। इसको रोकने के लिए, उस ट्रैफिक को ठीक करने के लिए, streamline करने के लिए मिनिस्ट्री क्या कर रही है, क्या उपाय कर रही है?

श्री नमो नारायण मीणा: सर, जहां तक SO_2 का सवाल हैं, Sulphur dioxide within standards है। जो ITO और टाऊन हाल है यहां पर NO_2 में जरूर थोड़ा सा इंक्रीज है। लेकिन पिछले सालों में हमने इंडस्ट्रियल एरियाज के लिए और रेजिडेंशियल एरियाज के लिए स्टैण्डर्ड सेट किया है। इसमें आई॰टी॰ओ॰ तो एक तरह से पूरा का पूरा ट्रैफिक जंक्शन है।

चांदनी चौक में एक खास बात है कि डीज़ल सेट्स बहुत ज्यादा होने की वजह से रेजिडेंशियन, कमर्शियल थोड़े हैं, लेकिन हम इन सारी सिचुएशन्स को देख रहे हैं और जो भी उपाय किए जा सकते हैं, वे उपाय किए जा रहे हैं। उस वाले में मैं यह मानकर चलता हूं कि एमिशन स्टैंडर्ड से उसमें फर्क पड़ेगा। नए-नए फ्लाई ओवर्स डाले जा रहे हैं, मेट्रो आ गई है। मेरा यह मानकर चलना है कि ऐसी कोई चिंता वाली बात नहीं है। हम लोगों के द्वारा इसके लिए एक स्टडी कराई जा रही है We will take remedial measures.

श्री रुद्रनारायण पाणि: सभापति महोदय, क्या सरकार, वन पर्यावरण और मंत्री, राज्य मंत्री यह मानते हैं कि बांग्लादेश से लाखों की संख्या में जो बांग्लादेशी नागारिक बिना कारण बताए दिल्ली में आकर बस जाते हैं, इसके कारण दिल्ली में प्रदूषण बढ़ता है। ...(**व्यवधान**)...

SHRI AMAR SINGH: This is very wrong... (*Interruptions*)...

श्री सभापति: ठीक है, ठीक है...(**व्यवधान**)... आप बोलने दो उन्हें ...(**व्यवधान**)...

श्री रुद्रनारायण पाणि: सभापति जी, मैं आपके माध्यम से मंत्री जी से पूछता हूं ...(**व्यवधान**)... कोई अपने को मंत्री न समझे। ...(**व्यवधान**)... कोई कितना ही बड़ा नेता क्यों न हो ...(**व्यवधान**)... कोई अपने को मंत्री न समझे ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापति: क्वेश्चन हो गया है आपका ...(**व्यवधान**)... ठीक है ...(**व्यवधान**)... ठीक है ...(**व्यवधान**)...

श्री रुद्रनारायण पाणि: मैं आपके माध्यम से ...(**व्यवधान**)... सभापति जी, ..(**व्यवधान**)...

श्री सभापति: ठीक है, ..(**व्यवधान**)... ठीक है ...(**व्यवधान**)... प्लीज टेक योर सीट ...(**व्यवधान**)...

श्री रुद्रनारायण पाणि: महोदय, ...(**व्यवधान**)... यह सवाल नहीं है ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापति: श्री रामचन्द्रैय्या। बैठिए, बैठिए ...(**व्यवधान**)...

श्री रुद्रनारायण पाणि: आपके माध्यम से ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापति: आप बैठिए, आप बैठिए ...(**व्यवधान**)...

श्री रुद्रनारायण पाणि: लोकतंत्र में ...(व्यवधान)...

श्री सभापति: आप लोकतंत्र की बात मत कीजिए ...(व्यवधान)...

श्री रुद्रनारायण पाणि: मैं पूछता हूं कि ...(व्यवधान)... बांग्लादेश से जो लाखों नागरिक दिल्ली में आ रहे हैं ...(व्यवधान)... क्या इनके कारण ...(व्यवधान)... प्रदूषण बढ़ रहा है ...(व्यवधान).

श्री सभापति: आप बैठ जाइए ...(व्यवधान)... आप बैठ जाइए ...(व्यवधान)... श्री रामचन्द्रैय्या ...(व्यवधान)... बैठिए, बैठिए, ...(व्यवधान)...

प्रो॰ राम देव भंडारी: यह रिकार्ड में नहीं जाना चाहिए। ...(व्यवधान)...

श्री शाहिद सिद्दिकी: सभापति जी, इसको रिकार्ड से निकाल दिया जाना चाहिए। ...(व्यवधान)...

†[شری شاہد صدیقی : سبھاپتی جی، اس کو ریکارڈ سے نکال دیا جانا چاہیے۔مداخلت۔]

श्री सभापति: श्री रामचन्द्रैय्या। बोलिए।

SHRI C. RAMACHANDRAIAH: Thank you Sir. Sir, pollution does not have any territorial barriers, and we are very thankful to the Judiciary of this country also that they are very proactive. But can this Government give the information that it has got about the United States likelihood of signing the Kyoto Protocol, which is very important at the global level because we are the signatories?

THE MINISTER OF ENVIRONMENT AND FORESTS (SHRI A. RAJA) Sir, the Kyoto Protocol comes under the climate change where the developed countries and developing countries put forth their claims. By signing the Kyoto Protocol, India has taken a categorical stand before the Kyoto Protocol that whatever be the directions given by the developed countries, we can facilitate on our own, but it cannot be mandated on us as an order to reduce our emissions. Of course, under the Kyoto Protocol, we have submitted before the international community that India is taking its own steps to reduce emissions. That does not mean that we cannot give any commitment to the Kyoto Protocol for reducing emissions, which will have detrimental and adverse impact on our developmental activities.

SHRI C. RAMACHANDRAIAH: How about the US? Whether it is signing the Kyoto Protocol or not? ...(*Interruptions*)... What is the present position?

---

†Translatation in Urdu script.

श्री सभापति: जैसा अभी आन्सर आ रहा है।

SHRI A. RAJA: We cannot compel the U.S. Some of the developed countries came forward to sign the protocol, not the U.S.

SHRI MOINUL HASSAN: Sir, so far as pollution is concerned, nowadays, pollution is a well-defined subject for discussion not only throughout the country, but also throughout the world. The question is very much specific and related to the capital city of our country, that is, Delhi. Everybody knows that the vehicular traffic is one of the important causes of pollution so far. I would request the hon. Minister, through you, Sir, to answer whether there is scope for any instruction to go to the Transport Department of the Government of Delhi to restrict the registration of vehicles, which is going on every day throughout the particular State, and also throughout the country.

MR. CHAIRMAN: That is all right.

SHRI A. RAJA: Sir, I would like to share with the hon. Member one thing. of course, our respected Member, Mr. Murli Manohar Joshi, has asked a question as to what are the proactive steps that are being taken to curb the air pollution.

SHRI SANTOSH BAGRODIA: You have to reply to Mr. Hassan.

SHRI A. RAJA: It is *inter-alia* connected. I want to share with the hon. Members that two steps are being taken to control the air pollution, particularly with regard to vehicle-oriented emissions. One is, we are prescribing National Ambient Air Quality Standards which can be equated with the international standards, with the standards of developed countries, what we call Bharat Stage I, Bharat Stge II, Euro-I and Euro-II. What are the essential conditions contemplated for Bharat Stage I and Bharat Stage II? That can be supplied to the hon. Member. What are all the ingredients whether it is SO_2 or sulphur dioxide or nitrogen dioxide, or in case of petrol, how much benzene can be there? These are all the chemical ingredients that have been contemplated for every stage, Bharat Stage I, Bharat Stage II and Bharat Stage III. Sir we are having our own commitments. In highly polluted cities like Agra, Ahmedabad, Bangalore, Chennai, Delhi, Mumbai, Kolkata and Kanpur, by 2010, we want to have Bharat State II. Under Bharat Stage II, these are all the chemical reactions that must be curtailed. Similarly, by 2012 or 2014, we are going to have

another stage. I can assure the House, and I must be categorical, that so far as main air pollutants are concerned, *i.e.* sulphur dioxide, nitrogen dioxide and carbon monoxide, some respiratory disease may be caused by the RSPM, *i.e.* Respirable Suspended Particulate Matters, but these are all being controlled according to the monitoring system which we are having. In spite of the manifold increase in the number of vehicles, I cannot say that it is totally curbed, but it is being stabilised, it is brought under control.

श्री जय प्रकाश अग्रवाल: सभापति महोदय, मैं मंत्री जी से निवेदन करना चाहता हूं कि इस डिपार्टमेंट की बहुत बुरी हालत है, न इसके पास पैसा है और इनके जो सेमिनार होते हैं, न वहां ये लोग किसी को जाने की इजाजत देते हैं। बाहर से दिल्ली में जो ट्रैफिक आता है, उसकी वजह से pollution ज्यादा है। मैं डा. मुरली मनोहर जोशी जी से दरख्वास्त करूंगा कि चांदनी चौक बहुत खूबसूरत जगह है, वहां से जो खुशबू फैलती है, वहां pollution कहां है?... झंडेवालान का नाम आप ले सकते हैं, मैं नहीं ले सकता।

सभापति जी, मैं मंत्री महोदय से जानना चाहता हूं कि ये जो 4 बड़े particles हैं - sulphur dioxide, nitrogen, SPM and RSPM हैं, इनकी कितनी मात्रा को आप pollution कहते हैं क्योंकि आपकी तरफ से न तो किसी अखबार में कोई Advertisement आता है कि क्या करना चाहिए, क्या नहीं करना चाहिए। टेलीविजन में जो आता है, उसमें ये चीजें दी जाती हैं। इसलिए मैं जानना चाहता हूं कि इनमें से प्रत्येक की कितनी मात्रा को pollution कहा जाता है और उससे कैसे बचा जा सकता है?

SHRI NAMO NARAIN MEENA: Sir, SO2 for the residential areas is 60; microgram per cubic meter for the industrial areas is 80; NO2 is 60 for the residential areas, and 80, for the industrial areas; SPM is 140 for the residential areas, and 360, for the industrial areas; RSPM is 60 for the residential areas, and 120, for the industrial areas. These are the standards that we have fixed. We are also monitoring it, and if anything goes beyond this, then it is a matter of concern.